13-05-2022

मक्के की विभिन्न प्रजातियों से एथेनाल बनाया जाएगा

- 2025 तक 45त एथेनॉल अनाज से बनाने की तैयारी
- एनएसआई व भारतीय मक्का अनुसंधान संस्थान मिलकर काम करेंगे

हिटेकाल

कानपुर। राष्ट्रीय शर्करा संस्थान, कानपुर और भारतीय मक्का अनुसंधान संस्थान, लुधियाना मिलकर मक्के की विभिन्न प्रजातियों से एथेनॉल बनाने की तकनीक के विकास पर कार्य करेंगे। इस संबन्ध में दोनों संस्थानों के बीच में सहमति होने के उपरान्त एक औपचारिक वार्ता सम्पन्न हुई यह प्रोजेक्ट केंद्रीय बारानी कृषि अनुसंधान संस्थान (Central Research Institute for Dryland Agriculture) द्वारा स्वीकृत किया गया है और जिनके द्वारा इस कार्य हेतु आवश्यक धनराशि भी प्रदान की जायेगी।

देश में मक्के की 45० हाइब्रिड वैरायटी विकसित की गई

इस कार्य पर भारतीय मक्का अनुसन्धान संस्थान जलवायु परिवर्तन के अनुसार विभिन्न कृषि क्षेत्रों हेतु मक्के की विभिन्न प्रजातियाँ विकसित करेगा, जिनमे एथेनॉल बनाने की प्रक्रिया, प्रति टन एथेनॉल की सम्भावित मात्रा एवं लागत मूल्य का आकलन राष्ट्रीय शर्करा संस्थान द्वारा किया जायेगा। इस अवसर पर भारतीय मक्का अनुसंधान संस्थान के निदेशक डॉ. सुजय रक्षित ने कहा कि देश में अभी मक्के के लगभग 450 हाइब्रिड है जिनकी एथेनॉल हेतु स्क्रीनिंग करके 10-15 हाइब्रिड का चयन इस कार्य हेतु किया जायेगा।

चावल व मक्के से एथेनाल बनाने की इंडस्ट्री लगाने की तैयारी

इस सम्बन्ध में राष्ट्रीय शर्करा संस्थान के निदेशक शैलेन्द्र मोहन ने बताया कि भारत सरकार द्वारा पहली पीढ़ी (First Generation) के एथेनॉल उत्पादन हेतु चीनी मिलों से प्राप्त शीरे एवं अन्य फीड-स्टॉक के अतिरिक्त चावल एवं मक्के से एथेनॉल इकाइयां स्थापित करने हेतु प्रोत्साहन दिया जा रहा है। चूंकि यह इकाइयाँ देश के विभिन्न राज्यों में स्थापित की जायेंगी, अतः उन क्षेत्रों में कृषि हेतु वातावरणीय परिस्थितियों को देखते हुए एवं जलवायु परिवर्तन को दृष्टिगत करते हुए यह आवश्यक है कि मक्के की विभिन्न प्रजातियाँ विकसित की जाएँ, जिनसे न केवल पैदावार ज्यादा हो अपितु उससे अधिक एथेनॉल भी मिल सके। यह किसान और एथेनॉल इकाइयाँ दोनों के लिए लाभप्रद होगा।वर्ष 2025 तक 20 प्रतिशत एथेनॉल ब्लेन्डिंग के लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए प्रारंभिक आकलनों के अनुसार लगभग 45 प्रतिशत एथेनॉल अनाज पर आधारित एथेनॉल इकाइयों से प्राप्त करना होगा, तभी इस लक्ष्य की प्राप्ति सम्भव हो सकेगी।